10 उत्सवे उत्सव

0337CH10

गतिविधि 1 दियाबातीक एकटा हि गीत सुनी आ सीखी

जगमग आयी दिवाली

गीतक बोल

जगमग जगमग आयी दिवाली
खुशियां ढेर लायी दिवाली
जगमग जगमग आयी दिवाली।

दीप जले हैं घर घर देखो,
रङ्गोली से सजा है आङ्गन
रौशन की लड़ियां हैं ताली
जगमग जगमग आयी दिवाली

नए नए कपड़े पहने हैं
नई नई चीजें हैं आयी
नई नई सी गलियां सजाली
जगमग जगमग आयी दिवाली।

करते हैं लक्ष्मी का पूजन
और लेते आशीष बड़ों की
फिर करके बढ़ियां सा भोजन
हँसते खेलते गाना गाते
फूलझड़ी और चरखी जला ली
जगमग जगमग आयी दिवाली

जगमग जगमग आयी दिवाली
खुशियां ढेर लायी दिवाली
जगमग जगमग आयी दिवाली

भाषा: हिन्दी

गीतक सम्बन्धमे

एहि गीतमे भगवान राम केर अयोध्या घुरबाक उपलक्ष्यमे मनाओल जाइबला प्रकाशक उत्सव दीयाबातीक वर्णन कएल गेल अछि। एहि दिन लोक नववस्त्र पहिरैत छथि आ अपन घरकेँ दीप(दिवारी) सँ प्रकाशित करैत छथि। चारूकात उल्लास आ उत्साह पसरल रहैछ।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 2 संस्कृतमे एकटा नववर्ष केर गीत सुनी आ सीखी

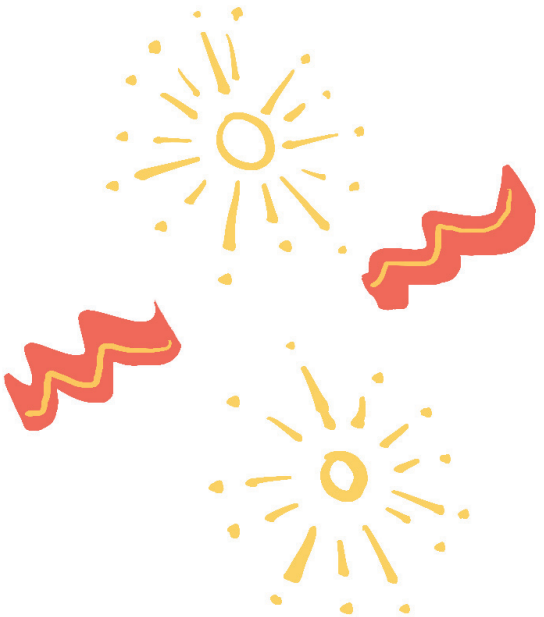

गीतक बोल

क्षणम् प्रति क्षणम् यन्नवम् नवम्
तच्च सुन्दरम् सच्च तच्चिवम्
वर्ष नूतनम् ते शुभम् मुदम्
उत्तरोत्तरम् भवतु सिद्धिदम्।

अर्थ

जे सदिखन नव आ स्वच्छ रहैत अछि, ओ एकसरे नीक, वास्तविक आ सुन्नर होइत अछि।

ई नववर्ष अहाँऽक हेतु बहुत उन्नत, सुखसँ भरल आ सफलता लऽ क आबए।

रचनाकार: स्वामी तेजोमायानन्द

© NCERT not to be republished

गतिविधि 3

आउ क्रिसमस केर एकटा गीत सुनी

जिङ्गल बेल्स

गीतक बोल

डैसिङ्ग थ्रू द स्नो,
इन ए वन-हार्स ओपेन स्लेज!

ओवर द फिल्ड वी गो,
लाफिङ्ग आल द वे।

बेल्स ऑन बॉबटेल्स रिङ्ग,
मेकिङ्ग स्प्रीट्स ब्राइट।

ह्वाट फन इट इज टू राइड एण्ड
सिङ्ग अ स्लेजिङ्ग सॉङ्ग टू नाइट।

ओह! जिङ्गल बेल्स, जिङ्गल बेल्स,
जिङ्गल आल द वे।

ओह! ह्वाट फन इट इज टू राइड
इन अ वन-हार्स ओपन स्लेज। हे! ओह!

गीतकार आ सङ्गीतकार: जेम्स लॉर्ड पियरपोण्ट

मजगर तथ्य

क्रिसमसक समयमे लोकक समूह जमा होइत अछि आ क्रिसमसक गीत वा कैरोल एक सङ्ग गबैत अछि, आ एकरा कैरोलिङ्ग नामसँ जानल जाइत अछि।

© NCERT not to be republished

गतिविधि 4 ईद केर एकटा गीत सुनू आ सीखू

आओ ईद मनाएँ

गीतक बोल

आओ ईद मनाये
एक दूजे के सङ्ग
तोड़ें नफरत की दीवार
गले लगायें प्यार से।

घर को दीपों से सजायें
भेद-भाव को मन से मिटायें

नए कपड़ों के सङ्ग
मेहँदी और चूड़ियाँ के रङ्ग

दावत की खुशियाँ मनायें
छोटे बड़ों के साथ

खुदा से मागेँ दुआयें हम
नाना-नानी, दादा-दादी
ईद मुबारक और करम

गीतक सम्बन्धमे

'आओ ईद मनाएँ' गीत एकता आ प्रेमक सङ्ग ईद मनएबाक विषयमे अछि। एहिमे घरकेँ सजएबाक, घृणाकेँ छोड़बाक, सुन्दर कपड़ा पहीर परिवार वा मित्रक सङ्ग पाबनिक आनन्द लेबाक बात कहल गेल अछि। ई सर्वशक्तिमान आ बुजुर्गसँ आशीर्वाद लेबाक महत्वपर सेहो प्रकाश दैत अछि।

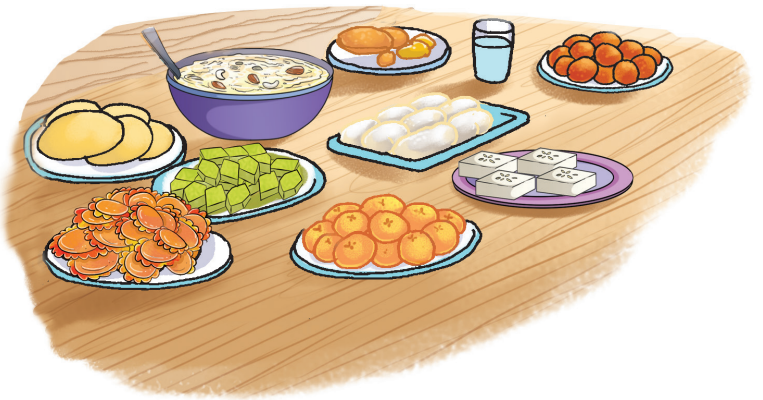

© NCERT not to be republished

गतिविधि 5 भगवान बुद्ध केर प्रति समर्पित प्रार्थना सुनी आ सीखी

गीतक बोल

बुद्धं शरणं गच्छामि
धम्मं शरणं गच्छामि
सङ्घं शरणं गच्छामि
बुद्धं शरणं गच्छामि
धम्मं शरणं गच्छामि
सङ्घं शरणं गच्छामि॥

© NCERT not to be republished

गीतक सम्बन्धमे

भगवान बुद्धकेँ समर्पित एहि प्रार्थनामे उपासक भगवान बुद्ध आ धर्ममे अपन शरण लेबाक घोषणा करैत छथि।

गतिविधि 6 एकटा देशभक्ति गीत सुनू आ सीखू

आउ हमसब एकटा एहन गीत
सीखब जे हमरासभकेँ बताओत
प्रकृति कोना कऽ भारतभूमिकेँ
चारुकात सँ घेरने अछि।

की अहाँ गीतक ताल लिखलहुँ? ई धा गे ना तिनक धिन — कहरवा ताल अछि

हिन्दी गीतक बोल

हिन्द देशके निवासी सभी जन एक हैं
रङ्ग, रूप, वेश भाषा चाहे अनेक हैं
बेला गुलाब जूही चम्पा चमेली –2
प्यारे, प्यारे फूल गूथें माला में एक हैं
हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं
रङ्ग, रूप, वेश , भाषा, चाहे अनेक हैं
गङ्गा यमुना ब्रह्मपुत्र कृष्णा कावेरी – 2
जाके मिल गयी सागर में हुई सब एक हैं
हिन्द देश के निवासी सभ जन एक हैं
रङ्ग, रूप, वेश, भाषा, चाहे अनेक हैं
कोयल की कूक प्यारी पपीहे की टेर न्यारी-2
गा रही तराना बुलबुल राग मगर एक हैं
हिन्द देश के निवासी सभी जन एक हैं
रङ्ग, रूप, वेश, भाषा चाहे अनेक हैं

सङ्गीतकार: पण्डित विनय चन्द्र मुद्गल

मैथिलीमे अनुवादित गीतक बोल

हिन्द देऽशक वासी अपनासब एक्के यौ
रङ्ग, रूप, भेस भासा भने कतबो बदलल हो
बेली, गुलाब, जूही, चम्पा, चमेली –2
सुन्नर, सुन्नर फूल गूथल मालामे एक्के यौ
हिन्द देऽशक वासी अपनासब एक्के यौ
रङ्ग, रूप, भेस भासा भने कतबो बदलल हो
गङ्गा, जमुना, ब्रह्मपुत्र, कृष्णा, कावेरी – 2
सागरमे जा क' मीलल भेल सब एक्के यौ
हिन्द देऽशक वासी अपनासब एक्के यौ
रङ्ग, रूप, भेस भासा भने कतबो बदलल हो
कोइलीक कूक मनगर पपीहाक टेर सनगर-2
गाबए तराना बुलबुल राग मगर एक्के यौ
हिन्द देऽशक वासी अपनासब एक्के यौ
रङ्ग, रूप, भेस भासा भने कतबो बदलल हो

© NCERT not to be republished

गतिविधि 7 सब सङ्ग गाउ!

गीतऑनलाइन सुनू आ सभक सङ्ग गाउ।

हमको मनकी शक्ति देना

गीतक बोल

हमको मन की शक्ति देना मन विजय करें
दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें
भेद-भाव अपने दिल से साफ कर सकें
दोस्तों से भूल हो तो माफ कर सकें
झूठ से बचे रहें, सच का दम भरें
दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें
मुश्किलें पड़ें तो हम पे, इतना कर्म कर
साथ दें तो धर्म का, चलें तो धर्म पर,
खुद पे हौसला रहे, बदी से ना डरें
दूसरों की जय से पहले, खुद की जय करें

गीतकार: गुलजार
सङ्गीतकार: वसन्त देसाइ

© NCERT not to be republished

मैथिलीमे अनुवादित गीतक बोल

आत्मशक्ति दिअ हे माता मऽन विजय करी,
ककरो जीतबासँ पहीने स्वयंकेँ जीत ली

अपना मोन'क भेद-भाब साफ कऽ सकी,
अपना लोकक सभटा गलती माफ कऽ सकी
झुठक मूँह कारी करी सत्तकेँ पाबि ली,
ककरो जितबासँ पहीने स्वयंकेँ जीत ली...

कतबो कष्ट पीड़ामे धैरज बनल रहइ,
धर्म पर चलल करी कर्म करैत रही
अपना विश्वासक बदौलति निडर बनल बढ़ी,
ककरो जितबासँ पहीने स्वयंकेँ जीत ली

आत्मशक्ति दिअ हे माता मऽन विजय करी,
ककरो जीतबासँ पहीने स्वयंकेँ जीत ली

अर्थ

एहि गीतमे हमसभ परमशक्तिसँ ई प्रार्थना करैत छी जे

हे प्रभु, हमरासभकेँ मोनक बल दिअ

जाहिसँ अपना मऽन पर हमसभ विजय प्राप्त कऽ सकी।

हमसभ दोसरा पर विजय प्राप्त करबाक प्रयास करी ओहि सँ पहिने स्वयम् पर विजय प्राप्त करबामे हमर सहायक होउ।
हमसभ अपन हृदयकेँ भेदभावसँ मुक्त कऽ सकी, आ जँ मित्रसभ सँ कोनो गलती होइ तऽ ओकरा क्षमा कऽ सकी से क्षमता दिय। हे ईश्वर अहाँक कृपासँ हमसभ झूठसँ बचल रही,आ सतत सत्य पर स्थिर रही।

जाहि सँ जखन कखनो हमसभ विकट परिस्थितिमे पड़ी तँ एतेक कृपा कएने रहू जे —

धर्म पर स्थिर रहि सकी आ धर्मक मार्ग पर सतत चलैत रही, कोनो परिस्थितिमे आत्मविश्वास स्थिर रहए आ बेजाए सँ भयभीत नहि होइ।

हमरासभ दोसरा पर विजय प्राप्त करबाक प्रयास करी ओहि सँ पहिने स्वयम् पर विजय प्राप्त करबामे हमरसभक सहायता करू

© NCERT not to be republished